3. अर्थग्रहण संबंधी बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर

नीचे लिखे गद्यांशों को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

☞ 1 बस को देखा तो श्रद्धा उमड़ पड़ी। खूब वयोवृद्ध थी। सदियों के अनुभव के निशान लिए हुए थी। लोग इसलिए इससे सफ़र नहीं करना चाहते कि वृद्धावस्था में इसे कष्ट होगा। यह बस पूजा के योग्य थी। उस पर सवार कैसे हुआ जा सकता है! **[Imp.]** *(पृष्ठ 13)*

बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर

1. *लेखक के मन में बस को देखकर श्रद्धा क्यों उमड़ पड़ी?*
   (क) बस देवी लग रही थी
   (ख) बस की जीर्ण-शीर्ण अवस्था देखकर
   (ग) बस का सुंदर रूप देखकर
   (घ) बस की अपार शक्ति देखकर
2. *'वयोवृद्धा' शब्द से क्या तात्पर्य है?*
   (क) वृद्धावस्था के करीब होना
   (ख) बहुत उम्र हो जाना
   (ग) उम्र से अधिक बड़ा लगना
   (घ) विचारवान होना
3. *लोग इस बस में सफर क्यों नहीं करना चाहते थे?*
   (क) क्योंकि बस के चलने के आसार ही दिखाई नहीं देते थे।
   (ख) क्योंकि बस में सीटें बहुत कम थीं।
   (ग) क्योंकि बस अपनी जर्जर अवस्था के कारण कहीं भी धोखा दे सकती थी।
   (घ) इनमें से कोई नहीं।
4. *बस पूजा के योग्य क्यों मानी जाने लगी थी?*
   (क) क्योंकि वह बहुत सजी-धजी थी।
   (ख) क्योंकि वह सफर के योग्य नहीं थी।
   (ग) क्योंकि लोग उस पर अपार विश्वास करते थे।
   (घ) क्योंकि बस सरपट भाग सकती थी।

Scanned with CamScanner

5. *लेखक ने बस का मानवीकरण एक वयोवृद्धा के रूप में क्यों किया है?*

(क) क्योंकि वह बहुत साफ सुथरी थी।

(ख) क्योंकि वह लेखक को एक बूढ़ी महिला की भाँति लगी।

(ग) क्योंकि वह वृद्धों को ही बैठाती थी।

(घ) क्योंकि वृद्धों ने उसे चलने से रोक दिया था।

उत्तर– 1. (ख) 2. (ख) 3. (ग) 4. (ख) 5. (ख)

2 बस-कंपनी के एक हिस्सेदार भी उसी बस से जा रहे थे। हमने उनसे पूछा–"यह बस चलती भी है?" वह बोले–"चलती क्यों नहीं है जी! अभी चलेगी।" हमने कहा–"वही तो हम देखना चाहते हैं। अपने आप चलती है यह? हाँ जी, और कैसे चलेगी?"

गज़ब हो गया। ऐसी बस अपने आप चलती है।

हम आगा-पीछा करने लगे। डॉक्टर मित्र ने कहा–"डरो मत, चलो! बस अनुभवी है। नयी-नवेली बसों से ज्यादा विश्वसनीय है। हमें बेटों की तरह प्यार से गोद में लेकर चलेगी।"

हम बैठ गए। जो छोड़ने आए थे, वे इस तरह देख रहे थे जैसे अंतिम विदा दे रहे हैं। उनकी आँखें कह रही थीं– "आना-जाना तो लगा ही रहता है। आया है, सो जाएगा–राजा, रंक, फकीर। आदमी को कूच करने के लिए एक निमित्त चाहिए।" *(पृष्ठ 14)*

बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर

1. *लेखक और उसके मित्रों ने जब बस को देखा तो उन्हें कैसा महसूस हुआ?*

(क) कि यह बस तो जल्दी पहुँचा देगी। (ख) कि यह बस चलेगी भी या नहीं।

(ग) कि यह बस धीरे-धीरे चलेगी (घ) कि यह बस यात्रियों से ज़्यादा ही भरी हुई है।

2. *डॉक्टर मित्र ने उसके बारे में क्या कहा?*

(क) यह अनुभवी है हमें प्यार से अपनी गोद में बिठाएगी, कहीं धोखा नहीं देगी।

(ख) इस बस का तो इलाज करवाना चाहिए।

(ग) यह बस सवारियाँ लादने के काबिल नहीं।

(घ) यह बस गंतव्य तक नहीं पहुँच पाएगी।

3. *बस पर चढ़ने वाले लोग लेखक व उसके मित्रों को कैसी विदाई दे रहे थे?*

(क) भावभीनी विदाई (ख) अंतिम रूप में दी जाने वाली सहानुभूतिपूर्ण विदाई

(ग) आत्मिय भाव की विदाई (घ) सजल आँखों से दी जाने वाली विदाई

4. *'आया है सो जाएगा राजा, रंक, फकीर' पंक्ति का क्या आशय है?*

(क) राजा, रंक एवं फकीर एक ही श्रेणी के माने हैं।

(ख) राजा, रंक एवं फकीर सभी को समान रूप से प्रेम करना चाहिए।

(ग) राजा हो, भिखारी हो या साधु संत सभी को एक-न-एक दिन मृत्यु को प्राप्त होना है।

(घ) इनमें से कोई नहीं।

5. *'कूच करने के लिए एक निमित्त चाहिए' ऐसा लेखक ने क्यों कहा?*

(क) आगे बढ़ने से पूर्व कुछ उद्देश्य होना चाहिए। (ख) आगे बढ़ने से पहले सोचो।

(ग) आगे बढ़कर पीछे नहीं हटना चाहिए। (घ) आगे बढ़कर हार के बारे में न सोचो।

उत्तर– 1. (ख) 2. (क) 3. (ख) 4. (ग) 5. (क)

☞ 3 बस सचमुच चल पड़ी और हमें लगा कि यह गांधीजी के असहयोग और सविनय अवज्ञा आंदोलनों के वक्त अवश्य जवान रही होगी। उसे ट्रेनिंग मिल चुकी थी। हर हिस्सा दूसरे से असहयोग कर रहा था। पूरी बस सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौर से गुज़र रही थी। सीट का बॉडी से असहयोग चल रहा था। कभी लगता सीट बॉडी को छोड़कर आगे निकल गई है। कभी लगता कि सीट को छोड़कर बॉडी आगे भागी जा रही है। आठ-दस मील चलने पर सारे भेदभाव मिट गए। यह समझ में नहीं आता था कि सीट पर हम बैठे हैं या सीट हम पर बैठी है। **[Imp.]** *(पृष्ठ 15)*

Scanned with CamScanner

बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर

1. *ऐसा लेखक ने क्यों कहा कि गाँधीजी के असहयोग और सविनय अवज्ञा आंदोलनों के वक्त यह जवान रही होगी?*
   (क) बस का साथ सभी लोग नहीं दे रहे थे।
   (ख) जिस प्रकार असहयोग आंदोलन में लोग पहले गाँधीजी का साथ नहीं दे रहे थे वैसे ही बस के सभी पुर्जे भी मिलकर नहीं चल रहे थे।
   (ग) बस गाँधीजी के समय की थी।
   (घ) बस पर अंकित चिह्न स्वतंत्रता आंदोलन की कहानी कह रहे थे।
2. *हर हिस्सा दूसरे हिस्से से असहयोग क्यों कर रहा था?*
   (क) क्योंकि बस बीचोंबीच से टूट रही थी।
   (ख) क्योंकि सभी हिस्से टूटे हुए थे।
   (ग) क्योंकि बस का कोई हिस्सा दूसरे से मिलकर नहीं चल रहा था।
   (घ) क्योंकि टूटी बस में लोग बैठ नहीं पा रहे थे।
3. *आठ-दस मील के बाद क्या हुआ?*
   (क) बस सहज हो गई, बिल्कुल आराम से चलने लगी।
   (ख) बस का टायर खराब हो गया।
   (ग) बस धीमी गति से चलने लगी।
   (घ) बस चलते-चलते बंद हो गई।
4. *बस की सीटों के बारे में लेखक ने क्या कहा?*
   (क) बस की सीटें मज़बूत थीं।
   (ख) बस की सीटें सुंदर थीं।
   (ग) बस की सीटें इतनी खराब थी कि बस चलने पर यह समझ पाना कठिन था कि वे सीटों पर बैठे हैं या सीटें उन पर।
   (घ) इनमें से कोई नहीं।
5. *गद्यांश में 'बस के जवान रहने' से क्या तात्पर्य है?*
   (क) बस का सही होना
   (ख) बस का नई होना
   (ग) बस का सही तरीके से चलना
   (घ) दिए गए सभी

उत्तर– 1. (ख) 2. (ग) 3. (क) 4. (ग) 5. (घ)

Scanned with CamScanner